

SHRI DATTAMEGHE (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by Shri Anand Sharma.

Demand for appropriate action by the Government on insult to Quran in Guantanamo Bay jail

श्री अबू आसिम आजमी (उत्तर प्रदेश): महोदय, गोवांतानामोबे जेल में पवित्र कुरान के अपमान पर जब अमरीकी फौजियों के खिलाफ भारत सहित पूरी दुनिया के मुसलमान आंदोलन कर रहे हों तो ऐसे में भारत सरकार का चुप्पी साधे बैठे रहना निंदनीय है। भारत की आबो हवा सभी धर्मों के आदर, संरक्षण तथा विभिन्न सभ्यताओं के विकास के लिए प्रसिद्ध है। जब बामियान में बुद्ध मूर्तियों को तोड़ा गया तो भारत सरकार के साथ मुस्लिम संगठनों ने भी उसकी जोरदार निंदा की। फ्रांस में सिखों के विशेष चिह्न पगड़ी पर पाबंदी की बात आई तो उस समय भी सरकार ने फ्रांस के सामने सिख समुदाय की आस्था का स्पष्टीकरण किया। यूरोपीय देशों में जब कुछ लोगों ने हिन्दू देवी-देवताओं के चित्र आपत्तिजनक रूप में प्रकाशित किए तब भी भारत सरकार ने आवाज़ उठाई। यह आवाज़ मात्र भारत सरकार की आवाज़ नहीं बल्कि हर भारतवासी की आवाज़ है, चाहे वह किसी भी धर्म से संबंध रखता हो। भारत की इस महानता व विशेषता पर जितना भी गर्व करें कम है, परन्तु पवित्र कुरान के अपमान की खबरें बार-बार आने पर भी भारत सरकार ने कोई विरोध नहीं जताया अथवा निन्दा नहीं की। भारत सरकार को चाहिए कि जिस तरह भूतकाल में उसने धिनौनी हरकतों के खिलाफ प्रयास किए, उसी प्रकार पवित्र कुरान के अपमान पर भी आज आवाज़ उठाए, क्योंकि यह केवल मुसलमानों का मामला नहीं बल्कि भारत की सभ्यता का भी मामला है।

شہری ابو عاصم اعظمی "اتر پردیش": مہودے، گوانتانامو بے جیل میں پوتر قرآن کے آپمان پر جب امریکی فوجیوں کے خلاف بھارت بہت پوری دنیا کے مسلمان آندولن کر رہے ہوں تو ایسے میں بھارت سرکار کا چنپی سا دھسے بیٹھے رہنا بند ہے۔ بھارت کی آب و ہوا سبھی دھرموں کے آوار، ستر کشا تھناؤ بھتن سمیتاؤں کے وکاس کے لئے پرسد ہے۔ جب بامیان میں بدھ مورتیوں کو توڑا گیا تو بھارت سرکار کے ساتھ مسلم سنگٹھنوں نے بھی اس کی زوردار بندہ کی۔

فرانس میں سکھوں کے ویتیش پنٹھ پٹری پر پابندی کی بات آئی تو اس وقت بھی سرکار نے فرانس کے سامنے لکھ سمودائے کی استقامت کا اچھی کرن کیا۔ یورپی دیشوں میں جب کچھ لوگوں نے ہندو دیوی دیوتاؤں کے چتر آٹنی جنگ روپ میں پکاشت کئے تب بھی بھارت سرکار نے آواز اٹھائی۔ یہ آواز مائتر بھارت سرکار کی آواز نہیں بلکہ ہر بھارت وادی کی آواز ہے، چاہے وہ کسی بھی دھرم سے سمبندھ رکھتا ہو۔ بھارت کی اس مہانتا ووشیشتا پر جتنا بھی گرو کریں کم ہے، پرتو پوتر قرآن کے ایمان کی خبریں بار بار آنے پر بھی بھارت سرکار نے کوئی درود نہیں جتایا اتھواندا میں کی۔ بھارت سرکار کو چاہئے کہ جس طرح بھوت کال میں اس نے گھنونی حرکتوں کے خلاف پریاس کئے۔ اسی پکارت پوتر قرآن کے ایمان پر بھی آج آواز اٹھائے، کیوں کہ یہ کیول مسلمانوں کا معاملہ نہیں بلکہ بھارت کی سہیتا کا بھی معاملہ ہے۔

श्री विजय सिंह यादव (बिहार): महोदय, मैं इसका समर्थन करता हूँ।

डा. कुमकुम राय (बिहार): महोदय, मैं भी इसका समर्थन करती हूँ।

श्रीमती जया बच्चन (उत्तर प्रदेश): उपसभापति जी, मैं इसका समर्थन करती हूँ।

श्री विजय जे. दर्डा (महाराष्ट्र): महोदय, मैं इसका समर्थन करता हूँ।

श्री ललित सूरी (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं इसका समर्थन करता हूँ।

श्री राम नारायण साहू (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं इसका समर्थन करता हूँ।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The entire House associates itself with the Special Mention.

Demand for Integrated Drinking Water Project at Hogenakal, Tamil Nadu

SHRI C. PERUMAL (Tamil Nadu): Sir, Krishnagiri and Dharmapuri are the two most backward districts in Tamil Nadu. The main occupations in these two districts are agriculture, horticulture and floriculture.